उज्जैन में 19 से 21 जून तक आयोजित होगी अभा बालिका शिक्षा कार्यशाला

उज्जैन। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा बालिका शिक्षा विषयक तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 से 21 जून तक सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र एवं प्रांतीय कार्यालय, विद्या भारती मालवा प्रांत, उज्जैन में किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में बताया की विद्या भारती विश्व का सबसे बड़ा शैक्षिक संगठन है, जो विगत 74 वर्षों से संस्कारक्षम एवं राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा के माध्यम से समाज निर्माण का कार्य कर रहा है। वर्तमान में देशभर में विद्या भारती के 21,514 विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 35 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं तथा लगभग 1.54 लाख शिक्षक-शिक्षिकाएं शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

बालिका शिक्षा विद्या भारती का एक महत्वपूर्ण आयाम है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों से युक्त, आत्मविश्वासी, कुशल एवं राष्ट्रभक्त बालिकाओं का निर्माण करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु देशभर के 11 क्षेत्रों एवं 40 प्रांतों से 82 क्षेत्रीय एवं प्रांतीय संयोजक तथा सह-संयोजक इस कार्यशाला में सहभागिता करेंगे। इसके अतिरिक्त समाज जीवन में सक्रिय 14 विशिष्ट आमंत्रित महिला प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगी। इस प्रकार लगभग 100 प्रतिभागियों की सहभागिता रहेगी। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मा. यतींद्र जी शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। साथ ही विद्या भारती के उपाध्यक्ष एवं बालिका शिक्षा के अखिल भारतीय प्रभारी अवनीश भटनागर संपूर्ण कार्यशाला अवधि में उपस्थित रहेंगे। संचालन रेखा चुडासमा के मार्गदर्शन में होगा।

कार्यशाला के प्रमुख उद्देश्य : बालिकाओं में नैसर्गिक, मनोवैज्ञानिक, भावात्मक एवं संस्कारजन्य गुणों के संवर्धन हेतु योजनाएं बनाना। बालिकाओं के समग्र विकास, चरित्र निर्माण एवं नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु गतिविधियों का निर्धारण करना। वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए विवेकपूर्ण मार्गदर्शन की व्यवस्था करना।

बालिका शिक्षा के प्रमुख कार्यक्रम

माता पुत्री विचार गोष्ठी- इसमें किशोर वय की बालिकाओं माताओं की गोष्ठियाँ करते हैं। कन्या भारती योजना के माध्यम से मातृत्व, कर्तृत्व एवं नेतृत्व का विकास । परंपरागत एवं स्थानीय कला कौशल विकास। बालिकाओं हेतु आत्म रक्षा का प्रशिक्षण। कार्यशाला में अखिलेश मिश्रा, योगेश शर्मा, डॉ. हिना नीमा, अनुराग जैन एवं पंकज पवार भी उपस्थित रहेंगे।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर आक्रोश

उज्जैन। राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन कथित तौर पर षड्यंत्रपूर्वक निरस्त किए जाने के विरोध में शहर महिला कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। आक्रोशित महिला कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस महासचिव सोनिया ठाकुर के नेतृत्व में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिला पदाधिकारियों ने इस घटनाक्रम को एक राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए इसे महिलाओं का अपमान बताया।

प्रदर्शन में यह रहे मौजूद: पुतला दहन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, रानू घुंघराले, सीमा पटेल, नीलम विश्वास, उषा मालवीय, रश्मि त्रिवेदी, प्रेमलता रामी, मदीना अली, विजेता सोनी, मलिका अली, सबा कुरैशी, इंदिरा नामदेव, सीमा कंसारिया, राजेश राणा, अभिषेक शर्मा, रमेश सांखला, वरुण शर्मा, आनंद मीणा, चैन सिंह चौधरी, दानेश राठी, वीरेंद्र गोसर, कृष्ण यादव, मनोज ठाकुर और हेमंत कोली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर में

कांठेड़ चातुर्मास 2026 हेतु अध्यक्ष मनोनीत

नागदा जं.। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ की बैठक में आगामी चातुर्मास 2026 हेतु सर्वसम्मति से दिलीप कांठेड़ को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्रीसंघ अध्यक्ष प्रकाशचंद सांवेरवाला ने की। अध्यक्ष पद हेतु श्री कांठेड़ का नाम का प्रस्ताव चंद्रशेखर खिंदावत ने रखा। इस अवसर पर चन्दनमल संघवी, दिलीप ओरा, सतीश जैन सांवेरवाला, निर्मल चपलोद, श्रेणिक बम, रमेश तांतेड़, पारस पोखरना, संदीप चपलोद, रवि संघवी, विनोद राठौर, विजय संघवी, किशोर राठौर, सहित समाजजन मौजूद रहे। श्री कांठेड़ के चातुर्मास 2026 के अध्यक्ष पद पर मनोनयन होने पर श्री वर्द्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ के पदाधिकारी, सदस्यगणो एवं ईष्टमित्रो ने कांठेड़ को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। बैठक का संचालन अरविन्द नाहर ने किया एवं आभार सतीश जैन सांवेरवाला ने माना।

नपा ने नालों की सफाई का कार्य किया प्रारंभ

नागदा जं। नगर में बारिश के मध्येनजर चल रहे नाले व नालियों की सफाई का काम तेज हो गया है। अब नपा द्वारा गुरूवार से बडे नालों की सफाई की जा रही है। नगर के जलभराव क्षेत्रों में पोकलेन/जेसीबी आदि संसाधनों से गहरीकरण चैडीकरण नाला सफाई कार्य नपा अध्यक्ष संतोष ओ.पी गहलोत के मार्गदर्शन में चल रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया द्वारा सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया साथ ही कन्हैयालाल चैहान, कुशल धौलपुरे उपस्थित रहे तथा जल निकासी मार्गों की विशेष सफाई किया गया। पोकलेन मशीनों द्वारा नालों में जमा गाद, कचरा एवं अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाया जा रहा है, जिससे वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या को रोका जा सके। नगर पालिका परिषद नागरिकों से अपील करती है कि नालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न डालें तथा स्वच्छ, सुंदर एवं जलभराव मुक्त नगर के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें।

महाराणा प्रताप जयंती चल समारोह का स्वागत

उज्जैन। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में नगर में भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह का देवास गेट चौराहे पर तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया गया। संघ के जिला अध्यक्ष मोकम सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान चल समारोह में शामिल समाजजनों पर पुष्प वर्षा कर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। चल समारोह में प्रमुख रूप से लवली आनंद सिंह, रीना सिंह, महेश सिंह ओमगांवकर, अनिल सिंह चंदेल एवं हरदयाल सिंह एडवोकेट सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस मौके पर वरिष्ठ कर्मचारी नेता मोतीलाल निर्मल, विष्णु नारायण सक्सेना, कमलेश मीणा, श्रीकांत उदगीर, रघुवीर सिंह पंवार, हंसराज धवन, दिनेश नागर, भूपेंद्र यादव, रफ़ीक अहमद ज़ैदी, हेमराज घावरी, मुकेश रायकवार, अरविंद जायसवाल निखिल गौड़ सहित पेंशनर एसोसिएशन, ऑडिटर संगठन, तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं अन्य कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

इंदिरा नगर में रहवासियों को विधायक ने बताई उपलब्धियां

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर लगातार आयोजन की श्रृंखला जारी है। इसी कड़ी में इंदिरा नगर क्षेत्र में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा रहवासियों के बीच पहुंचे और केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताते हुए वरिष्ठ जनों का सम्मान किया। वे बोले सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सबका प्रयास, केवल नारा नहीं बल्कि संकल्प है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर से लेकर अयोध्या राम मंदिर निर्माण तक सनातन के पुनर्जागरण का जो यज्ञ प्रधानमंत्री जी ने प्रारंभ किया है वह पूर्णाहुति तक पहुंचे यही करोड़ भारत वासियों की कामना है। इस दौरान इंदिरा नगर के गणमान्य नागरिक एवं पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यहां विधायक जैन ने कहा मजहब की लड़ाई छोड़ो हम सब हिंदुस्तानी हैं हिंदुस्तान हम सभी का है आज का समय एकजुट होकर देश को मजबूत करने का है। वैश्य महासम्मेलन के अंबालाल माहेश्वरी ने कहा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन रक्षक प्रधान सेवक भी हैं। हम सब देशवासी एवं उज्जैन वासी भगवान महाकाल से प्रार्थना करते हैं मोदी जी का यशस्वी कार्यकाल तब तक अखंड चलतारहे जब तक भारत में राम राज्य की परिकल्पना को साकार न कर ले। ऐसा राष्ट्र जहां सर्व धर्म संभव हो हर नागरिक सुरक्षित हो और सनातन संस्कृति का गौरव विश्व में स्थापित हो। क्षेत्रीय पार्षद दिलीप परमार, ऋषि वर्मा सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इतिहास से लेकर वर्तमान तक हमने देश के लिए बलिदान किया : रीनासिंह

उज्जैन। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर 32 वीं शौर्य यात्रा महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देवासगेट, दौलतगंज, नईसड़क, क्षीरसागर से सामाजिक न्याय परिसर में सामाजिक समरसता सम्मेलन के रूप में परिवर्तित हुई। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट रीनासिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास से लेकर वर्तमान तक हमने देश के लिए बलिदान किया है, गोवा के पूर्वजिलापुलिस अधीक्षक-महेश गांवकर ने कहा कि इतिहास साक्षी है, हमने कभी देश का नुकसान नहीं किया क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने लहू से सींचा है। बिहार के युवा नेता अंशुमान मोहन ने कहा कि हमें संघर्ष करना पड़ा है मुगलों से अंग्रेजों से अब हमारी सरकार से। अध्यक्षता राष्ट्रीय महामंत्री अनिलसिंह चंदेल ने की। संचालन हरदयालसिंह एडवोकेट ने किया।

प्राचीन धरोहर बावड़ी का पुनरुत्थान किया

तराना। जनपद पंचायत तराना की ग्राम पंचायत टुकराल में स्थित प्राचीन नीलकंठ महादेव परिसर में स्थित धरोहर बावड़ी का सफल जीर्णोद्धार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पूर्ण हो गया है। ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं के संसाधनों से कराए गए इस कार्य से लगभग 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक जल संरचना को पुनः जीवंत रूप प्रदान किया गया है।

लगभग 300 वर्ष पूर्व पत्थरों की विशिष्ट जड़ाई वाली तकनीक से निर्मित यह बावड़ी प्राचीन काल में ग्रामीणों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत रही है। साथ ही नीलकंठ महादेव परिसर में पूजा-अर्चना का महत्वपूर्ण केंद्र भी रही है। समय के साथ उपेक्षित हो चुकी इस बावड़ी को मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित कर स्थानीय धरोहर को संरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया गया है। कार्य की शुरुआत 5 मई 2026 को हुई थी। इसमें गाद निकासी, साफ-सफाई, मलबा हटाना तथा आसपास के क्षेत्र की पूर्ण सफाई शामिल रही। कुल अनुमानित लागत 10 हजार रुपये (0.10 लाख) थी, जबकि ग्राम पंचायत टुकराल द्वारा 50 हजार रुपये (0.50 लाख) की राशि उपलब्ध कराई गई। इस सफल जीर्णोद्धार से न केवल प्राचीन बावड़ी को उसके मूल स्वरूप में लाया गया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से जोड़ने का सुंदर माध्यम भी उपलब्ध हुआ है। बावड़ी के आसपास की सफाई से ग्रामीणों के लिए स्वच्छ वातावरण का केंद्र स्थापित हो गया है। स्थानीय लोग अब इस स्थल पर पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अपनी विरासत को संरक्षित रखने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

श्री मारू दिव्यांगजन अधिकारों पर प्रदेश के न्यायाधीशों को कल करेंगे संबोधित

नागदा जं। दिव्यांगजन अधिकारों एवं समावेशी न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर द्वारा शनिवार को दिव्यांगजन से संबंधित विषयों पर संवेदनशीलता कार्यक्रम में अभिभावकों के संगठनों के राष्ट्रीय महासंघ पारिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्नेह संस्थापक लायन डॉ. पंकज मारु को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

डॉ. मारु कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में दिव्यांगजन अधिकार कानून और वास्तविकता के बीच की खाई को पाटना विषय पर मध्यप्रदेश न्यायपालिका के न्यायाधीशों को संबोधित करेंगे। स्नेह के सचिव विनय राज शर्मा ने बताया कि डॉ. मारु अपने व्याख्यान में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, समावेशी शिक्षा, सुगम्यता, युक्तिसंगत समायोजन, विशेष शिक्षकों की अनिवार्यता, रोजगार में आरक्षण तथा न्यायालयों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालेंगे।

साथ ही वे मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों एवं न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर भी चर्चा करेंगे। डॉ. मारु को मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय द्वारा विगत 3 वर्षों से लगातार न्यायिक अधिकारियों को दिव्यांगजन अधिकारों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने तथा न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है।

महाराणा प्रताप की शौर्य यात्रा में नारी शक्ति बाल भारती अखाड़े के बच्चों ने दिखाया कला कौशल

उज्जैन। महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शौर्य यात्रा में नारी शक्ति बाल भारती रामशाला अखाड़े के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर एक बार फिर जीत का परचम लहराया है। अखाड़े के बच्चों की हैरतअंगेज कलाबाजी और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोच पूजा चौहान का भगवान भोलेनाथ की तस्वीर भेंट कर भव्य सम्मान किया गया।

परंपरानुसार निकली यात्रा, क्षत्राणियां रहीं शामिल: हरदयाल सिंह ठाकुर के नेतृत्व में यह वार्षिक शौर्य यात्रा परंपरानुसार चामुंडा माता चौराहे से शुरू होकर बिजासन माता मंदिर तक निकाली गई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में क्षत्राणियां और मातृशक्ति उपस्थित थीं। यात्रा के दौरान बच्चों के साहसिक प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। अखाड़े की कोच पूजा चौहान के मार्गदर्शन में टीम ने अपना दबदबा बरकरार रखा। उत्कृष्ट कलाबाजी का प्रदर्शन करने वाले बच्चों में मुख्य रूप से विनय चौहान, गीत मालवीय, नक्ष केलकर, परी केलकर, समीक्षा मालवीय, माही, आरती मालवी, दिव्या मालवीय, कृतिका, यशस्वी पांचाल, हिमांशी परमार, लकी प्रजापत, यथर्व, किंजल मालवीय, मानसी मालवीय और संजना पीहू शामिल रहे। शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष गुड्डू ठाकुर, बादल सिंह चौहान, अंकित चौबे, डॉ. भारती सोनी, मंजू कसेरा और वार्ड क्रमांक नौ की सपना सांखला सहित हरदयाल सिंह ठाकुर व उनकी टीम ने कोच पूजा चौहान को आशीर्वाद दिया। क्षत्राणियों ने पूजा बिटिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसी तरह आगे बढ़कर देश का नाम रोशन करने की बात कही।

शिवसेना गौ रक्षा न्यास ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। मंदसौर महिला थाना प्रभारी रानी बेग से जुड़े बहुचर्चित प्रकरण की आंच अब देवास तक पहुंच गई है। मामले में निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग को लेकर मध्य प्रदेश युवा शिवसेना गौ रक्षा न्यास की देवास इकाई ने जिला प्रशासन के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने स्पष्ट किया है कि लंबे समय से शिकायतें होने के बावजूद अब तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आने से लोगों के मन में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

शिवसेना गौ रक्षा न्यास के अध्यक्ष मनीष सिंह चौहान और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजकुमार झांझोट ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाना है। यह ज्ञापन जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। संवेदनशील मामलों में पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई से ही कानून व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रहता है। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उचित और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन जनजागरण कर लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान कमल सिंह राजपूत, लाडसिंह देवड़ा, अभय सिंह देवड़ा, धर्मेंद्र सिंह पंवार, तूफान सिंह पंवार, शिवराज सिंह राठौड़, महेश सुनानिया, अरुण पंवार, वीरेन्द्र सिंह चावड़ा और कृष्णपाल सिंह चावड़ा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर नियमानुसार आगे की जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जेएसएसजी फेडरेशन में उज्जैन को राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

उज्जैन। देश के सैकड़ो जैन सोशल ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाले जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप्स फेडरेशन (रजिस्टर्ड) की वर्ष 2026-28 की नई टीम में उज्जैन को दो राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व एवं अवंतिका रिजन अध्यक्ष का पद मिला है। वरिष्ठ अभिभाषक अजय गिरिया को राष्ट्रीय वरिष्ठ मार्गदर्शक एवं सोशल ग्रुप डायमंड के निवृतमान अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया को फेडरेशन में राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। यह पहली बार है जब किसी युवा को फेडरेशन में महासचिव जैसी अहम जिम्मेदारी दी गई है। फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष विजय मेहता एव नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष जैन मामा (इंदौर) द्वारा घोषित की गई टीम मे उज्जैन को यह राष्ट्रीय जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही अभय जैन अवंतिका रीजन के चेयरमैन की अहम जिम्मेदारी दी गई है। फेडरेशन में मिली इन उपलब्धियों पर फेडरेशन के संरक्षक मुकेश रांका, अजेश कोठारी, संजय नाहर, कमल पिछोलिया, नवीन गिरिया, अंशुल गिरिया, सपन जैन, अश्विन मेहता, दिलीप पीपाड़ा, शालभद्र चपलोद, संजय मेहता, राकेश वनवट, राजकुमार संघवी, शैलेन्द्र तल्लेरा, उमेश जैन सहित श्वेतांबर जैन समाज के विभिन्न लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

युवाओं ने वृद्धजनों और दिव्यांगों के साथ बिताया समय, सेवा व संवेदना का दिया संदेश

उज्जैन। भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) केंद्र उज्जैन की जिला युवा अधिकारी नीतू मीना के मार्गदर्शन में 15 से 18 जून 2026 तक चार दिवसीय अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. प्रदीप लाखरे के सहयोग से एनएसएस स्वयंसेवकों ने माय भारत के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर सक्रिय भागीदारी निभाई। मुख्य रूप से शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय और निर्मला कॉलेज के विद्यार्थियों ने आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों के साथ समय बिताया और उनके जीवन की चुनौतियों को करीब से समझा।

योग, स्वास्थ्य जागरूकता और फल वितरण: इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत फल वितरण, योग एवं प्राणायाम, भगवान धन्वंतरी पूजन, स्वास्थ्य जागरूकता तथा मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वयंसेवकों ने आश्रमवासियों के साथ आत्मीय संवाद कर उनके संघर्षों और प्रेरणादायक अनुभवों को सुना, जिससे उनमें सहानुभूति और मानवीय मूल्यों के प्रति सम्मान का विकास हुआ।

समझा समाज सेवा का महत्व

आयोजन के दौरान आश्रम प्रबंधन ने युवाओं को संस्था की कार्यप्रणाली और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही युवाओं को निस्वार्थ सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अनूठी पहल में प्रगति वर्मा, प्रज्ञा रावत, रूपा सोलंकी, तनवीर, सोहेल सहित माय भारत एवं एनएसएस के अन्य स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को जीवन मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को गहराई से समझने वाला एक महत्वपूर्ण अनुभव बताया।

एक नजर प्रतिदिन प्रभु भक्ति से होती थी दिनचर्या की शुरुआत, यात्रा व्यवस्था के लिए सात दिन बनाए गए सात अलग-अलग लीडर

जैन यूनिटी फोरम की नौ दिवसीय केरल-कन्याकुमारी यात्रा का समापन

उज्जैन। जैन यूनिटी फोरम के संस्थापक अध्यक्ष मनोज सुराणा के नेतृत्व में अरिहंत मुस्कान की नौ दिवसीय केरल से कन्याकुमारी तक की यात्रा का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दौरान सभी सदस्यों ने आपसी सामंजस्य के साथ प्राकृतिक सौंदर्य और विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन किए।

अंजू मनोज सुराणा ने बताया कि यात्रा की शुरुआत मुंबई की जुहू चौपाटी से हुई। इसके पश्चात दल ने मुन्नार की ऊंची पहाड़ियों, प्राकृतिक झरनों और औषधीय बागानों का भ्रमण किया। थेकड़ी में एलीफेंट बाथ, कथकली और शस्त्रकला प्रदर्शन देखा गया। एलेपी में बोट और स्पीड बोट के माध्यम से प्राकृतिक सौंदर्य निहारा गया। कोवलम में समुद्र तट, कन्याकुमारी में अलौकिक समुद्र दर्शन के साथ ही विशाल भगवान शिव की प्रतिमा के दर्शन किए गए। दल ने त्रिवेंद्रम स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर में दर्शन किए और वहां के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल तथा झील का भ्रमण किया। बैंगलोर में अल्पाहार के पश्चात दल इंदौर पहुंचा, जहां इंदौर एयरपोर्ट पर विश्व पोहा दिवस के अवसर पर स्वल्पाहार के साथ यात्रा को विराम दिया गया।

एक समान ड्रेस कोड रहा आकर्षण का केंद्र

यात्रा के दौरान प्रतिदिन दिनचर्या की शुरुआत प्रभु भक्ति से की गई। सभी परिवारों के लिए एक समान ड्रेस कोड निर्धारित था, जो आकर्षण का केंद्र रहा। पूरे टूर में सभी सदस्यों के बीच बेहतर आपसी सामंजस्य देखने को मिला। संपूर्ण यात्रा व्यवस्थाओं के सफल संचालन में ऐश्वर्य सुराणा और माधुर्य सुराणा ने मुख्य भूमिका निभाई।

ड्रोन और एआई की तकनीक के साथ विद्यार्थियों ने सीखा एलईडी बल्ब बनाने का हुनर

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान संस्थान में ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एलईडी विनिर्माण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमएसएमई नवाचार एवं इनक्यूबेशन केंद्र तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मालवा प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल सिखाकर आत्मनिर्भरता के गुर सिखाए गए।

राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. राकेश ढांड बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहे। अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की। प्रारंभ में कंप्यूटर विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. कमल बुनकर ने अतिथियों का स्वागत कर रूपरेखा प्रस्तुत की। नोडल अधिकारी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रांत समन्वयक बृजेश शुक्ला ने कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य बताए। तकनीकी सत्रों में छात्रों ने खासा उत्साह दिखाया। पहले सत्र में बृजेश शुक्ला के संबोधन के बाद मुख्य सहायक प्रशिक्षक अभिषेक पांडे, राजवर्धन सिंह और गौरव जाटव ने छात्रों को ड्रोन की आधुनिक तकनीक, कोडिंग, फ्लाइंग मैकेनिज्म और एआई के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यशाला का संचालन डॉ. गीतिका सिंह ने किया। आयोजन में डॉ. क्षमाशील मिश्रा, डॉ. भूपेन्द्र पंड्या, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. लोकेश राठौर, डॉ. ब्रह्मदत्त शुक्ला और डॉ. प्रज्ञा सिंह तोमर का विशेष सहयोग रहा।